''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ''

JAYOTI VIDYAPEETH WOMEN'S UNIVERSITY, JAIPUR

(Format for Preparing E Notes)

Faculty of Fine Arts

Faculty Name- **JV'n Pooja Janghel (Assistant Professor)**

Program- 3rd Semester / Year

Course Name - **BFA / b .des**

Session No. & Name – 2nd year (Name of the Session)

Academic Day starts with –

- Greeting with saying **'Namaste'** by joining Hands together following by 2-3 Minutes Happy session, Celebrating birthday of any student of respective class and **National Anthem**.

Lecture Starts with-

Review of previous Session- ……..

- Topic to be discussed today- Today We will discuss about ……..
- Lesson deliverance (ICT, Diagrams & Live Example)-
  - PPT (10 Slides)
  - Diagrams

Introduction & Brief Discussion about the Topic

- महाराष्ट् स्थित अजंता की गुफाएं मंदिर का एक आश्चर्यजनक शानदार वास्तुशिल्प कला है। यह भारत की समृद्ध विरासत को दर्शाता है। इसे यूनेस्को दृ विश्व धरोहर स्थल (World Heritage Site) के रूप में सन 1983 में स्वीकार किया गया है। अजंता की गुफाएं विश्वभर में प्रसिद्ध हैं।
- अजंता की गुफाएं, भारत के महाराष्ट्र राज्य के औरंगावाद शहर के पास स्थित है। यहाँ पर दुनिया के किसी भी कोनें से आसानी से पहुंचा जा सकता है। महाराष्ट्र में नियमित पर्यटन के माध्यम से बसों या टैक्सियों का उपयोग किया जाता है।

- निकटतम हवाई अड्डा औरंगाबाद में स्थित है, जो मंदिरों से 99 किलोमीटर दूर स्थित है। इन गुफाओं की करिश्मा हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करती है।
- अजंता गुफाओं की वास्तुकला **Architecture of Ajanta Caves**
- 19वीं शताब्दी के शुरुआती दिनों में, लंबे समय से दफन अजंता गुफाएं एक ब्रिटिश सेना अधिकारी द्वारा अनजाने में खोजी गईं। इस मौके पर, सुंदर मूर्तियां गुफाएं जो वाघुर नदी के ऊपर सह्याद्री पहाडि़यों के भीतर कुछ दृष्टि में आईं
- गुफा का मंदिर घोडे़–जूता के आकार की खड़ी की चट्टान की तरह दिखाई देता है, जहां नीचे वाघुर नदी बह रही है। वाघुर नदी 200 फुट की ऊंचाई से गिरती है, जिसके परिणाम स्वरूप झरने की एक श्रृंखला बनती है। इन बहते हुए झरने को चट्टानों में आसानी से देखा जा सकता है।

बौद्ध धर्म वास्तुकला

गुफा न. 9 चौत्री–गृह

- अजंता गुफाओं में कटी हुई चट्टाने है, जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व और छठी शताब्दी ईसा पूर्व के बीच इसकी उत्पत्ति का पता लगता हैं।
- अजंता की गुफाएं भगवान बुद्ध को समर्पित हैं। यह कम से कम संख्या में 30 है, ये गुफाएं अनुयायियों और बौद्ध धर्म के विद्यार्थियों के आवास के लिए निर्माण की गयी थीं।
- अपने प्रवास के समय के दौरान, उन्होंने अपनी उत्कृष्ट वास्तुकला कौशल और कलात्मक चित्रों के साथ गुफाओं को सुशोभित किया था।
- आम तौर पर, नक्काशी और चित्रकारी भगवान बुद्ध की जीवन कथाओं को दर्शाती हैं। इस के साथ, चट्टानों में मानव और पशु के कई शैलियों का भी उत्कीर्ण किया गया है।
- अजन्ता में सचित्र नक्काशी और भित्ति चित्रकला उस समय के आधुनिक समाज को दर्शाती हैं। कलात्मक मूर्तियां राजाओं से गुलाम, पुरुषों और महिलाओं के सभी प्रकार के लोगों को, फूलों के पौधे, फल और पक्षियों के साथ जानवरों को प्रस्तुत करते हैं। कुछ ऐसे आंकड़े हैं जो 'यक्ष', 'केनेरस' (आधा मानव और आधा पक्षी), 'गंधर्व' (दिव्य संगीतकार) और 'अप्सरा' (स्वर्गीय नर्तक) जैसे निवासियों को चित्रित करते हैं।

University Library Reference-

- …….
- …….. Journal
- Online Reference if Any.

- Suggestions to secure good marks to answer in exam-
- Explain answer with key point answers
- Questions to check understanding level of students-
- Small Discussion About Next Topic-
- Academic Day ends with-

National song **"Vande Mataram"**